भूल गया है क्यों इंसान

हरिवंशराय बच्चन

भूल गया है क्यों इंसान ?
सबकी है मिट्टी की काया,
सब पर नभ की निर्मल छाया,
यहाँ नहीं कोई आया है,
ले विशेष वरदान ।
भूल गया है क्यों इंसान ?

धरती ने मानव उपजाए;
मानव ने ही देश बनाए,
बहुदेशों में बसी हुई है,
एक धरा-सन्तान
भूल गया है क्यों इंसान ?

देश अलग हैं, देश अलग हों,
वेश अलग है, वेश अलग हों,
मानव का मानव से लेकिन
अलग न अन्तर प्राण ।
भूल गया है क्यों इंसान ?

भावबोध :- *हरिवंशराय बच्चन की यह कविता जन-गण-मन को प्रभावित कर एक सांस्कृतिक क्रान्ति लाना चाहती है । विभिन्नता को भूलकर एकता के सूत्र में बंध जाने के लिए कवि का स्वर झंकृत हो उठता है । आपसी खून-खराबा, मार-काट, घृणा, द्वेष, सारे अनर्थ से दूर रहकर एक ऐसा देश बनाएँ जहाँ शांति, मानवता का दीप जले । एक धरा एक परिवार हो । धरती की मिट्टी के करीब जीवन को दर्शानेवाले हालावादी कवि हरिवंशराय बच्चन मानवता को न भूलने का संदेश देते हैं ।*

- शब्दार्थ -

इंसान - मनुष्य । काया - शरीर । नभ - आसमान । विशेष - असाधारण । धरती - पृथ्वी । धरा - धरती । संतान - औलाद । अंतर - फर्क । प्राण - जीवन ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) देश और वेश अलग होने पर भी इंसानियत नहीं बदलती । कवि के इस विचार को अपने शब्दों में लिखिए ?

(ii) इस कविता का सारांश लिखिए ।

(iii) इस कविता के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ?

(iv) 'सबकी है मिट्टी की काया' - इसका क्या तात्पर्य है ?

2. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) आज का इंसान क्या भूल गया है ?

(ii) किसने धरती को अलग-अलग देशों में बाँटा ?

(iii) हमारी काया कैसी है ?

(iv) किसने मानव को उपजाया है ?

(v) मनुष्य-मनुष्य में क्या अंतर है ?

(vi) मनुष्य-मनुष्य में क्या अंतर नहीं है ?

(vii) इस कविता के कवि का नाम बताइए ।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(i) देश अलग हैं, देश अलग हों,
वेश अलग है, वेश अलग हों,
मानव का मानव से लेकिन
अलग न अन्तर प्राण ।

(ii) बहुदेशों में बसी हुई है,
एक धरा-सन्तान
भूल गया है क्यों इंसान ?

भाषा ज्ञान

4. (i) **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -**
मिट्टी, नभ, धरा, काया, संतान, इंसान ।

(ii) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रेरणार्थक रूप लिखिए -**
भूलना, सीखना, भागना, डूबना, पीना ।

(iii) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिए -**
वरदान, मानव, देश, धरती, छाया ।

5. **निम्नलिखित वाक्यों से सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं को** छाँट **कर कोष्ठक में लिखिए -**

(i) कविता नाच रही है । (.....)

(ii) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है । (.....)

(iii) खरगोश भागता है । (.....)

(iv) राम ने रावण को मारा । (.....)

(v) सीता गाना गा रही है । (.....)

(vi) अनुराग ने फल खरीदे । (.....)

6. **निम्न शब्दों के लिंग बताइए -**

प्राण, संतान, वरदान, धरती, देश, छाया, मिट्टी, काया ।

7. **अपने शिक्षक से 'बच्चन' जी के बारे में और अधिक जानने का प्रयास कीजिए ।**

●